नारी शिक्षा के पुरोधा थे भगत फूल सिंह : प्रो. सुदेश

गोहाना, 23 फरवरी (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह ने न केवल नारी शिक्षा की अलख जगाई बल्कि उसके विस्तार के लिए भी काम किया। उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित रहा। 24 फरवरी को उनकी जन्म जयंती है। उस महान विभूति को न केवल महिला विश्वविद्यालय याद करता है, बल्कि समस्त देश व विदेश में भी याद किया जाता है। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह के 140वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा 1919 में गुरुकुल भैंसवाल कलां में लड़कों के लिए खोले गए गुरुकुल व 1936 में खानपुर कलां में मात्र 3 कन्याओं से शुरू किया गुरुकुल आज विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान बनाए हुए है। देहाती गांधी नाम से प्रसिद्ध भगत फूल सिंह ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में काम किया अपितु समाज सुधार के क्षेत्र में भी अद्भुत कार्य किए।

नारी शिक्षा के पुरोधा थे भगत फूल सिंह : प्रो. सुदेश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह ने न केवल नारी शिक्षा की अलख जगाई बल्कि उसके विस्तार के लिए भी काम किया। उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित रहा। 24 फरवरी को उनका जन्मदिवस है, जिसे धूमधाम से मनाया जाएगा। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में भगत फूल सिंह जन्मदिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रो. सुदेश, कुलपति

प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र को सबके सामने रखा जाना चाहिए। 1919 में गुरुकुल भैंसवाल कलां शुरू किया जहां से निकले स्नातक भारतीय राजनीति व प्रशासनिक सेवाओं में उच्च पदों पर रहे और अपने संस्थान का नाम रोशन किया। वहीं 1936 में खानपुर कलां में मात्र तीन कन्याओं से शुरू किया गुरुकुल आज विश्वविद्यालय के रूप में वट वृक्ष बन चुका है। समाज में समानता लाने के लिए उन्होंने आमरण अनशन तक किए। 14 अगस्त 1942 को उनके बलिदान के बाद उनकी बेटी पद्मश्री बहन सुभाषिणी ने संस्थान को आगे बढ़ाते हुए पिता के सपने को साकार किया। सुभाषिणी देवी शोध पीठ स्थापित कर उनके जीवन चरित्र को सब तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

'नारी शिक्षा के पुरोधा थे भगत फूल सिंह'

गोहाना | बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह ने न केवल नारी शिक्षा

की अलख जगाई, बल्कि उसके विस्तार के लिए भी काम किया। उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित रहा। वे नारी शक्ति के पुरोधा थे। ऐसे में विवि प्रशासन ने उनके 140 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसी के तहत वे रविवार को विवि में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र को सभी के सामने रखा जाना चाहिए। हर छात्रा को उनके द्वारा किए गए नारी सुधार कार्यों से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

The First Update's Post

The First Update
a day ago

The First Update-
नारी शिक्षा के पुरोधा थे भगत फूल सिंह जी -प्रो सुदेश भगत फूल सिंह जी ने न केवल नारी शिक्षा की अलख जगाई बल्कि उसके विस्तार के लिए भी काम किया। उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित रहा। 24 फरवरी को उनकी जन्म जयंती है। उस महान विभूति को न केवल महिला विश्वविद्यालय याद करता है, बल्कि समस्त देश व विदेश में भी याद किया जाता है। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह जी के 140 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रो सुदेश का मानना है कि भगत जी के जीवन चरित्र को सभी के सामने रखा जाना चाहिए। हर छात्रा को उनके द्वारा किए गए नारी सुधार कार्यो से प्रेरणा लेने की जरूरत है। आज न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी उनके द्वारा शुरू किए गए गुरुकुल से शिक्षा ग्रहण कर उच्च पदों पर आसीन लोग उन्हें याद करते है। 1919 में गुरुकुल भैंसवाल कलां में लड़कों के लिए खोले गए गुरुकुल के स्नातक भारतीय राजनीति व प्रशाशनिक सेवाओं में उच्च पदों पर रहे और अपने संस्थान का नाम रोशन किया। वहीं 1936 में खानपुर कलां में मात्र 3 कन्याओं से शुरू किया गुरुकुल आज विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान बनाए हुए है। महिला विकास की जो परिकल्पना हम आज करते है वो सोच उस महापुरुष की एक सदी पहले थी। उनकी सोच बहुत आगे की थी,यह हम आज देख भी सकते है और समझ भी सकते है।
देहाती गाँधी नाम से प्रसिद्ध भगत फूल सिंह जी ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में काम किया अपितु समाज सुधार के क्षेत्र में भी अद्भुत कार्य किए। समाज में समानता लाने के लिए उन्होंने आमरण अनशन तक किए। भगत जी ने अंग्रेजों के अधीन होते हुए भी ग्रामीण आँचल में जब सारी परिस्थिति विपरीत थी, तब भी नारी शिक्षा की लो जलाई। उनका महावाक्य "भारतीय मूल्य प्रणाली में शिक्षित महिला ही वास्तव में समतावादी और प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकती है " आज भी बिलकुल स्टिक है।
14 अगस्त 1942 को उनके बलिदान के बाद उनकी सुपुत्री पद्मश्री बहन सुभाषिनी ने जिस प्रकार से एक आदर्श बेटी होने का फर्ज निभाया वो स्वर्णिम इतिहास में लिखा जा चुका है। अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए उस बेटी ने अपना जीवन लगा दिया। आज हर बेटी को सुभाषिनी जैसी बेटी होने की परिकल्पना करनी चाहिए। किस तरह से समाज के सहयोग से इतनी बड़ी संस्था खड़ी हो गई और बहुत ही सुचारु रूप से फलीभूत भी हुई। उन्होंने न केवल शिक्षा अपितु कन्याओं में संस्कार भी गढ़े।
प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में सुभाषिनी देवी शोध पीठ स्थापित कर उनके जीवन चरित्र को सब तक पहुंचाने का एक प्रयास शुरू कर दिया है। प्रो सुदेश का मानना है कि भगत जी और उनकी पुत्री बहन सुभाषिनी के जीवन चरित्र को सभी जाने और उनसे प्रेरणा ले, तथा अपने जीवन में उनका अनुसरण करें।
कुलपति ने कहा कि भगत फूल सिंह जी का जन्मदिन एक उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।
छायाचित्र - प्रो सुदेश , कुलपति भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां।
#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India

All India Media Association
(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)
23/02/2025 01:27 PM

नारी शिक्षा के पुरोधा थे भगत फूल सिंह जी -प्रो सुदेश

भगत फूल सिंह जी ने न केवल नारी शिक्षा की अलख जगाई बल्कि उसके विस्तार के लिए भी काम किया। उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित रहा। 24 फरवरी को उनकी जन्म जयंती है। उस महान विभूति को न केवल महिला विश्वविद्यालय याद करता है, बल्कि समस्त देश व विदेश में भी याद किया जाता है। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह जी के 140 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रो सुदेश का मानना है कि भगत जी के जीवन चरित्र को सभी के सामने रखा जाना चाहिए। हर छात्रा को उनके द्वारा किए गए नारी सुधार कार्यो से प्रेरणा लेने की जरूरत है। आज न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी उनके द्वारा शुरू किए गए गुरुकुल से शिक्षा ग्रहण कर उच्च पदों पर आसीन लोग उन्हें याद करते है। 1919 में गुरुकुल भैंसवाल कलां में लड़कों के लिए खोले गए गुरुकुल के स्नातक भारतीय राजनीति व प्रशाशनिक सेवाओं में उच्च पदों पर रहे और अपने संस्थान का नाम रोशन किया। वहीं 1936 में खानपुर कलां में मात्र 3 कन्याओं से शुरू किया गुरुकुल आज विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान बनाए हुए है। महिला विकास की जो परिकल्पना हम आज करते है वो सोच उस महापुरुष की एक सदी पहले थी। उनकी सोच बहुत आगे की थी,यह हम आज देख भी सकते है और समझ भी सकते है। देहाती गाँधी नाम से प्रसिद्ध भगत फूल सिंह जी ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में काम किया अपितु समाज सुधार के क्षेत्र में भी अद्भुत कार्य किए। समाज में समानता लाने के लिए उन्होंने आमरण अनशन तक किए। भगत जी ने अंग्रेजों के अधीन होते हुए भी ग्रामीण आँचल में जब सारी परिस्थिति विपरीत थी, तब भी नारी शिक्षा की लो जलाई। उनका महावाक्य "भारतीय मूल्य प्रणाली में शिक्षित महिला ही वास्तव में समतावादी और प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकती है " आज भी बिलकुल स्टिक है। 14 अगस्त 1942 को उनके बलिदान के बाद उनकी सुपुत्री पद्मश्री बहन सुभाषिनी ने जिस प्रकार से एक आदर्श बेटी होने का फर्ज निभाया वो स्वर्णिम इतिहास में लिखा जा चुका है। अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए उस बेटी ने अपना जीवन लगा दिया। आज हर बेटी को सुभाषिनी जैसी बेटी होने की परिकल्पना करनी चाहिए। किस तरह से समाज के सहयोग से इतनी बड़ी संस्था खड़ी हो गई और बहुत ही सुचारु रूप से फलीभूत भी हुई। उन्होंने न केवल शिक्षा अपितु कन्याओं में संस्कार भी गढ़े। प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में सुभाषिनी देवी शोध पीठ स्थापित कर उनके जीवन चरित्र को सब तक पहुंचाने का एक प्रयास शुरू कर दिया है। प्रो सुदेश का मानना है कि भगत जी और उनकी पुत्री बहन सुभाषिनी के जीवन चरित्र को सभी जाने और उनसे प्रेरणा ले, तथा अपने जीवन में उनका अनुसरण करें। कुलपति ने कहा कि भगत फूल सिंह जी का जन्मदिन एक उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

छायाचित्र - प्रो सुदेश , कुलपति भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां।

4

818 views

(loginmember.aspx) (https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?type=Share&nid=387077)

More News

Copyright AIMAMEDIA FOUNDATION 2025

STUDENTS PLACED IN INFOSYS

Sonepat: Two students of the Department of Computer Science and Information Technology, Bhagat Phool Singh Women's University, Khanpur Kalan, have secured jobs while in their final semester. Vice-Chancellor Sudesh honoured the selected students. She said talented students acted as guides for others, and were the 'brand ambassadors' of the university. Dr Vinod Saroha, Training and Placement Officer, Computer Science and Technology, said 29 final year students of the department participated in the placement drive at Guru Jambheshwar University, Hisar. After passing the written examination and interview, students Medha Chaudhary and Akansha Sinha had been offered the post of system engineer in Infosys.